

जर्रे जर्रे में
रब की निगाहें करम हैं

कभी ये नहीं कहना कि
औरों पर ज्यादा और मुझ पर कम है

हे प्रभु!

मेरे पैरों में इतनी शक्ति देना कि दौड़~दौड़ कर आपके दरवाजे आ सकूँ ।

मुझे ऐसी सद्बुद्धि देना कि सुबह- शाम घुटने के बल बैठकर आपको प्रणाम कर सकूँ
जब तक जीऊँ, जिह्वा पर आपका नाम रहे, देने में मेरे हाथ कभी थके नहीं ।

मेरे मालिक!

प्रेम से भरी हुई आँखें देना,
श्रद्धा से झुका हुआ सिर देना,
सहयोग करते हुए हाथ देना,
सत्पथ पर चलते हुए पाँव देना
और

सिमरण करता हुआ मन देना ।

हे प्रभु!

अपने बच्चों को अपनी कृपादृष्टि देना, सद्बुद्धि देना ।

पल पल शुक्राना

हर पल शुकुराना